

## श्याम से बंधन | by Pankaj Sharma

श्याम तुम्हारा नाम है जब तक मेरे साथ  
मेरे सिर पर सदा रहे मेरे श्याम धणी का हाथ  
ये बंधन छूटे ना ये रिश्ता टूटे ना  
ये बंधन छूटे ना ये रिश्ता टूटे ना

हारे का जो बने सहारा श्याम धणी दातार है  
तेरे टुकड़ो पर ही तो पलता मेरा परिवार है  
तेरे बिन कोई और मिला ना जो दे मेरा साथ  
ये बंधन छूटे ना ये रिश्ता टूटे ना  
ये बंधन छूटे ना ये रिश्ता टूटे ना

जब जब मैंने तुझे पुकारा दौड़ा दौड़ा आया है  
दुःख में सुख में श्याम धणी ने मेरा साथ निभाया है  
तेरे दर के बिना ना कोई सुनता मेरी बात  
ये बंधन छूटे ना ये रिश्ता टूटे ना  
ये बंधन छूटे ना ये रिश्ता टूटे ना

रींगस से लेकर निशान मैं खाटू धाम पे जाऊँगा  
बैठ तेरे चरणों में बाबा तुझको भजन सुनाऊँगा  
शर्मा की ये प्रथम हाज़िरी, पंकज की ये प्रथम हाज़िरी कर लेना स्वीकार  
ये बंधन छूटे ना ये रिश्ता टूटे ना  
ये बंधन छूटे ना ये रिश्ता टूटे ना

<https://bhaktivandana.com/lyrics/shyam-se-bandhan-by-pankaj-sharma/>